HOLIDAY HOMEWORK

१. भारत की महानता कैसी है?

उ-> भारत की महानता सबसे अनुठी है।

२. हमारी भाषा कैसी है?

उ-> हमारी भाषाएँ अलग अलग है।

३. देश हमारा कैसा है?

उ-> देश हमारा न्यारा है।

४. भारत देश की विशेषता क्या है?

उ-> भारत की विशेषता यहाँ की एकता है

५. पावन धारा से आप क्या समझते हो?

उ-> पावन धारा अर्थात - एक साथ खुशी मे रहना।

६. सदा हम किसको अपनाते?

उ-> सदा हम कर्म अपनाते।

(3) शब्द के अर्थ लिखो-

प्यारा - जिसे सबसे ज्यादा प्यार मिले, दुलारा

अनोखे - खास, अनूठी

परिवेश - चारो तरफ

प्यारा - दुलारा   मेलजोल - एक साथ रहना, एकता

विशेष - जरूरी

(8) हमारे देश की अनोखी सुंदरता के बारे में आप क्या जानते हैं लिखिए।

उ-> भारत देश प्राकृतिक सुंदरता से भरा हुआ है। यहां के हर कोने में सुंदरता बिखरी पड़ी है। यहाँ का हिमालय सबके मन को मोह लेता है। यहाँ पर स्थित पुराने महल और मंदिर सबको भाते हैं। हमारे देश का परिवेश सबको मोह लेता है।

9 आप को अपना देश क्यों अच्छा लगता है?

उ-> हमारे देश में सब मिलजुल कर रहते हैं इसलिए मुझे अपना देश अच्छा लगता है।

10 विविधता में एकता इससे आप क्या क्या समझते हो?

उ-> विविधता में एकता मतलब एकता के साथ रहना अर्थात मिल-जुल कर एक साथ खुशी से रहना।

11 सारांश -

भारत की महानता अनूठी है। हमारी भाषा परिवेश अलग-अलग है फिर भी हम सब एक हैं। हम भारतिय कर्म को जाति-धर्म से ऊपर मानते हैं। हमारे लिए सारा संसार एक है, हम सब भाई भाई हैं। हमलोग सपथ लेते हैं सबकी आशाएं पुरी हो। देश हमारा प्यारा है।

२२) अलग- भारत में अलग अलग जाति के लोग रहते हैं।

भारत- भारत में सुंदरता भरी है।

मेलजोल- सभी के बीच मेलजोल होना आवश्यक है।

धर्म- अलग धर्म होने से भी हम सब समान हैं।

जाहिर- शिक्षक ने कार्यकर्म के लिए जाहिर किया।

प्रश्न:

(क) i) सही
ii) गलत

(ख) i) आदर- अनादर
गुरु - शिष्य

(ग) i) गुरु- शिक्षक, अध्यापक
ii) मुख- मुंह, चहरा

२४. काकी पाठ का मूल उद्देश्य बाल मन को ~~समझने~~, ~~समझने~~ समझने, समझाना है।

२५. श्यामू अपनी काकी को वापस लाना चाहता था क्योंकि वह अपनी काकी से अधिक प्रेम करता था।

२६. इस पाठ में श्री सियाराम शरण गुप्त ने बाल मन को समझाने का प्रयास किया है। यहाँ श्यामू नामक एक छोटा बच्चा अपने काकी को खोदेने के कारण बहुत दुखी था। अचानक उसने काकी को वापस लाने के लिए उपाय बनाया। वह पतंग से काकी को वापीस लाने के लिए तय किया। श्यामू पतंग के लिए अपने काका के जेब से रुपये लिए। यह जानते ही उसके काका अधिक क्रोध में आकर उसे तमाचे लगा दिए परंतु सच्चाई जानने के बाद वे खुद हतप्रभ हो गए। इस पाठ से हमें यह पता चलता है की बच्चे बहुत कोमल भाव के होते हैं।

१७ पेड़ न होते तो हमारा जीवीत रहना असंभव होता कारण पेड़ हमें जीने के लिए अन्नाज देते हैं तथा बारीश में भी अधिक मदद करते हैं।

१८ पेड़ों की कमी के वजह से बारिश नहीं हो रही थी जिसके वजह से पानी की समस्या हो रही थी इसलिए जानवर [illegible] परेशान थे।

१९ राजा का चिंता [illegible] हाथी दूर किया।

२० ## मेरी पहली रेलयात्रा

रेलयात्रा सुनते ही आनंद से मन झूम उठता है। मेरी पहली रेलयात्रा भी कुछ इसी तरह शानदार थी। मैं अपने परिवार के साथ घुमने जा रही थी, उस दिन पीताजी ने मुझे खिड़की के पास बिठाया। फिर कुछ समय बाद ट्रेन दौड़ पड़ी। खिड़की से इतनी रफ्तार में आते हुए, गाँव, नदि, लोग मेरे मन को भा रहे थे। मानो लगता था जैसे वे सब हमारे साथ दौड़ लगा रहे हो। समय समय पर [illegible] [illegible] विक्रेता अलग अलग भोजन के साथ प्रस्तुत होते। फिर जगह जगह पर ट्रेन रुकती और लोग चढ़ते। यह सब देखकर मेरी भुख प्यास ही मीट गई। मेरी पहली रेलयात्रा अस्मरणीय रहेगी।

२१ M-I-G-११२, कानन विहार,
भुवनेश्वर।

अक्टूबर 21, 2021

प्रिय अनु,

आशा करती हूँ तुम खुश और स्वस्थ हो। बड़ो को मेरा प्रणाम। अनु ये तुम्हे भी पता है की मेरी परीक्षाएँ नजदीक है जिसके कारण मेरा बाहार जाना बन्द है। मुझे दिल से तुम्हे मिलने का मन था पर परिक्षाओं के वजह से मैं नहीं आ सकती। तुम्हें जन्मदिन की खुब सारी शुभकामनाएँ और उम्मीद है तुम्हें मेरा भेजा हुआ तोफा पसंद आएगा।

चीठी जरूर लिखना।

तुम्हारी दोस्त
[illegible]

२२ राम- अरे राहुल! कहाँ जा रहे हो?

राहुल- राम बड़े दिनों बाद दिख रहे हो। मैं बस राशन लेने जा रहा था।

राम- अच्छा! वैसे आज कल बाजार में महंगाई बढ़ गयी है ना?

राहुल- हाँ दोस्त, महंगाई तो ~~रुकने~~ रुकने का नाम नहीं ले रही। राशन, ~~[illegible]~~ पेट्रोल आदि सब महंगाई छू रहे हैं।

राम- हाँ अब खर्च भी देख कर करना पड़ रहा है। चलो मैं तुमसे बाद में मिलता हूँ

राहुल- हाँ, मुझे भी बाजार जाना है।

२३ कवयित्री अपनी बचपन को बार बार पुकार रही थी क्योंकि उन्हें अपना बचपन बहुत प्यारा था कारण बचपन में उन्हें कोई चिंता नहीं सताती थी जाही खुल कर खेला था।

२४ मेरा नया बचपन नामक कविता के माध्यम से सुभद्रा कुमारी चौहान जी अपनी बेटी के रूप में अपने ही बचपन को याद किया है। उनका कहना है की उनको बचपन की वह मधुर स्मृति याद आ जाती है जब वह आंगन में खेला ~~क~~ करती थी। माँ के हाथों से खाना खाया करती थी, चिंता रहित निर्भय होकर यहा वहा क्रिया करती थी। बचपन का वह अतुलित आनंद कवियत्री भुला नहीं सकती इसलिए बचपन को याद कर कवियत्री बचपन को बुलाती है।

२५. सच्चा मित्र वही जो मित्र की कष्ट में सहायता करे।

२६. अमर को दुगुनी खुशी मिली क्योंकि वह संजय की मदद किया जिसके वजह से संजय का भी रीविजन हो गया।

२८ लेखक जो समाज को यही संदेश दिया है की ~~[illegible]~~ दूसरों के कठिन समय में उनका साथ देना चाहिए।